दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 04 अगस्त 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 308

महत्वपूर्ण एवं खास

एमपी में दर्दनाक हादसा, अचानक भरभराकर गिरी बिल्डिंग की दीवार, चपेट में आने से 4 बच्चों की मौत

रीवा (आरएनएस)। मध्य प्रदेश में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां के रीवा जिले में एक बिल्डिंग की दीवार गिर गई। बिल्डिंग की दीवार के नीचे दबने से चार बच्चों की मौत हो गई है। इस हादसे में एक छात्र और महिला बुरी तरह से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मौके पर हडक़ंप मच गया। घटना की जानकारी लगते ही जनप्रतिनिधियों सहित जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंच गए। घटना शनिवार की दोपहर रीवा जिले के गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत गढ़ कस्बे की है। छात्र निजी स्कूल सनराइज पब्लिक स्कूल के छात्र थे यह हादसा उस वक्त हुआ जब स्कूल की छुट्टी हो गई और बच्चे अपने घर जा रहे थे। उसी दौरान स्कूल के गेट के बगल में स्थित जर्जर मकान की दीवार अचानक से बच्चों के ऊपर गिर गई और 5 छात्रों सहित एक महिला दीवार के नीचे दब गए। महिला अपने बच्चे को स्कूल लेने गई थी वो भी इसकी चपेट में आ गई। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने बच्चों को मलबे से निकाला और उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। यहां पर डाक्टरों ने चार छात्रों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक छात्र और महिला गंभीर रुप से घायल हो गया जिन्हें इलाज के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी लगते ही रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा स्थानीय विधायक नरेंद्र प्रजापति सहित जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल और पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह भी मौके पर पहुंच गए और घटना की जानकारी ली।

बिहार में कार से 10 करोड़ रुपये कीमत की चरस बरामद, 2 तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज (आरएनएस)। बिहार के गोपालगंज जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र के बलथरी चेकपोस्ट से पुलिस ने एक कार से बड़ी मात्रा में चरस बरामद की है। बरामद चरस की कीमत 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार को बलथरी चेकपोस्ट पर पुलिस वाहनों की तलाशी कर रही थी। इसी दौरान एक स्विफ्ट कार से कुल 71 किलोग्राम चरस बरामद की गई। बताया गया कि यह चरस 139 पॉकेट में रखी गई था जिसे कार में एक गुप्त तहखाना बनाकर छुपाई गई थी। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया कि इस सिलसिले में कार में सवार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है, जिनकी पहचान पूर्वी चंपारण जिले के पतौरा निवासी सुदीश कुमार और परसौनी क्षेत्र निवासी मंदीप कुमार के रूप में की गई है। गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ के दौरान यह जानकारी दी गई कि यह मादक पदार्थ नेपाल से दिल्ली ले जाया जा रहा था। स्वर्ण प्रभात ने बताया कि जब्त की गई चरस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 8 से 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार तस्करों के नेटवर्क में जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि यूपी-बिहार के बलथरी चेकपोस्ट से इससे पहले भी कई प्रकार के मादक पदार्थों को जब्त किया गया है।

पांचवें दिन भी रेस्क्यू जारी

वायनाड भूस्खलन में मृतकों की संख्या बढ़कर 344 हुई

वायनाड । आरएनएस

केरल के वायनाड में हुए भस्खलन में मरने वालों की संख्या बढक़र 344 हो गई और 206 लोग अभी भी लापता हैं। रेस्क्यू टीम का शनिवार को पांचवें दिन भी ऑपरेशन जारी है।रक्षा बलों, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन सेवा और स्वयंसेवकों के 1,500 से अधिक कर्मियों वाली बचाव टीम ने शनिवार सुबह चार सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पुंचिरीमाडोम में तलाशी शुरू कर दी है।

अब तक 146 शवों की पहचान हो चुकी है, जबकि 74 की पहचान होनी बाकी है। मृतकों में 30 बच्चे भी शामिल हैं। मलबे से बड़ी संख्या में क्षत-विक्षत शरीर के अंग भी बरामद किये गए हैं।

यहां लगभग 100 राहत शिविर हैं, जिनमें लगभग 9,500 लोगों को स्थानांतरित किया गया है। जिले के विभिन्न अस्पतालों में 84 लोग भर्ती हैं।

122 टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल और कन्नूर इकाई से जुड़े अभिनेता मोहनलाल अपनी इकाई के साथ शनिवार सुबह प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे।

सैन्य वर्दी पहने मोहनलाल सबसे पहले मैप्पडी में स्थित बेस कैम्प पहुंचे और रक्षा बलों से मुलाकात की। फिर वह चूरलमाला पहुंचे और बचाव दल के साथ बातचीत की।

जंगल में एक गुफा में फंसे थे चार आदिवासी बच्चे, वायनाड वन अधिकारी ने किया रेस्क्यू

केरल के वायनाड में हुए बड़े पैमाने पर भूस्खलन में 300 से अधिक लोगों की जान जाने के बाद क्षेत्र में तैनात वन अधिकारियों ने बारिश और चट्टानी इलाके को पार करते हुए एक गुफा के अंदर से चार बच्चों का रेस्क्यू किया। बता दें कि बच्चे एक आदिवासी समुदाय से थे, जो आम तौर पर बाहरी लोगों से बातचीत करने से बचते हैं और जीवित चीजों और वन उत्पादों का उपयोग करते हैं। कलपेट्टा रेंज के वन अधिकारी के हशीस के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम गुरुवार को एक आदिवासी परिवार को बचाने के लिए घने जंगल के अंदर गई। उनको गुफा में एक से चार साल की उम्र के चार बच्चे मिले। कलपेट्टा रेंज के वन अधिकारी के. हशीस ने बताया कि वायनाड के पनिया समुदाय से ताल्लुक रखने वाला यह परिवार एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित एक गुफा में फंसा हुआ था। टीम को मौके पर पहुंचने में वन अधिकारियों को साढ़े चार घंटे से अधिक का सफर तय करना पड़ा। वन अधिकारियों ने चार बच्चों की मां को वन क्षेत्र के पास घूमते देखा जिससे पता चला कि चार बच्चे गुफा में फंसे हुए हैं। उनको बचाने के लिए अधिकारियों को फिसलन भरी चट्टानों पर चढऩा पड़ा। साथ ही पेड़ों और चट्टानों से रस्सियां बांधनी पड़ीं। उन्होंने कहा कि यह रेस्क्यू बहुत खतरनाक था। हशीस ने कहा, बच्चे थके हुए थे और हमने जो कुछ भी साथ लाया था, उससे उन्हें खाना खिलाया। बाद में, बहुत समझाने के बाद, उनके पिता हमारे साथ आने के लिए सहमत हुए और हमने बच्चों को अपने शरीर से बांध लिया और वापस अपनी यात्रा शुरू की। फिर वे अट्टा माला के अवैध शिकार विरोधी कार्यालय में वापस आ गए, जहां बच्चों को खाना खिलाया गया और कपड़े और जूते दिए गए। वन अधिकारी ने कहा, वे आम तौर पर वन उत्पादों पर जीवित रहते हैं और उन्हें स्थानीय बाजार में बेचकर चावल खरीदते हैं। हालांकि, ऐसा लगता है कि भूस्खलन और भारी बारिश के कारण उनको भोजन नहीं मिला था।

अयोध्या : श्रद्धालुओं से भरी नाव सरयू नदी में पलटी, आठ को बचाया गया, एक लापता

अयोध्या । आरएनएस

यूपी के अयोध्या में सरयू नदी में नौ तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक नाव पलट गई।एक अधिकारी ने बताया कि नाव पलटने के बाद से एक महिला लापता है। आठ लोगों को बचा लिया गया है।

मामला अयोध्या कोतवाली के नया घाट चौकी क्षेत्र के सरयू तट का है। अधिकारी के अनुसार, शुक्रवार को एक नाव कुछ तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही थी। इसी दौरान अचानक नाव पलट गई। नाव पलटने के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई।

इस बीच मौके पर मौजूद स्थानीय गोताखोरों और एसडीआरएफ कर्मियों ने सरयू नदी में छलांग लगाई और आठ लोगों को बचा लिया जबकि 29 वर्षीय कशिश नामक एक महिला लापता बताई जा रही है।

अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करण नैयर ने कहा, नाव की एक अन्य नाव से टक्कर हो गई थी। जिसके बाद तीर्थयात्रियों से भरी नाव पलट गई। नाव पर सवार सभी लोगों ने लाइफ जैकेट पहन रखी थी। एक महिला लापता है, बचाव दल की टीम उसे खोजने की कोशिश कर रही है।

पता चला है कि सरयू नदी में यह हादसा उस समय हुआ, जब नाव नदी में मुडऩे की कोशिश कर रही थी और उसकी दूसरी नाव से टकरा गई।

जम्मू में एके -47 हथियारों के साथ देखे गए संदिग्ध, सुरक्षाबलों ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू । आरएनएस

जम्मू में ग्रेटर कैलाश के पास सूखी नहर में बीती रात कैंप ड्रेस पहने तीन लोगों को कथित तौर पर एके-47 जैसे हथियारों के साथ देखा गया। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया।तलाशी अभियान रात 10:15 बजे समाप्त हुआ। इस दौरान सुरक्षाबलों को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। अधिकारियों ने नरवाल की ओर चौकियों को मजबूत करने की सलाह दी है।

बता दें कि 30 जुलाई को भारतीय सेना ने पुंछ जिले से हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी को गिरफ्तार किया था। आतंकी की पहचान मोहम्मद खलील के रूप में हुई थी।

राष्ट्रीय राइफल की रोमियो फोर्स को हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी मोहम्मद खलील के पुंछ के मंगनार गांव में छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन चलाकर उसे गिरफ्तार किया था। आतंकी खलील के पास से एक विदेशी पिस्टल भी बरामद की गई थी।

इस बीच जम्मू-कश्मीर में हो रही घुसपैठ को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को बीएसएफ के दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें उनके पदों से हटा दिया है। डीजी बीएसएफ नितिन अग्रवाल और स्पेशल डीजी वाईबी खुरानिया को उनके पदों से हटाकर उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में पिछले एक साल से हो रही लगातार आतंकियों की घुसपैठ, डीजी बीएसएफ और स्पेशल डीजी बीएसएफ को हटाने की मुख्य वजह है। जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ को लेकर भारत सरकार का यह सबसे बड़ा प्रशासनिक एक्शन है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों पर गाज गिरी है।

पिछले एक महीने में इन दोनों अधिकारियों ने जम्मू-कश्मीर, अंतरराष्ट्रीय सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल का दौरा किया था और अहम बैठकों में हिस्सा लिया था। इसके अलावा पंजाब सेक्टर से लगातार हो रही आतंकी घुसपैठ को प्रभावशाली ढंग से ना काबू पाना भी इस एक्शन की बड़ी वजह है।

पिछले कई सालों में ऐसा पहली बार हुआ है जब दो वरिष्ठ अधिकारियों को इस तरीके से हटाया गया है, जो किसी अर्धसैनिक बलों को लीड कर रहे थे। यह घटना सुरक्षा बलों के अंदर की संरचना और प्रशासनिक निर्णयों पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

यूपी के कांवड़ियों ने हरियाणा के कांवड़ियों पर ईंट-पत्थरों से किया हमला, एक की मौत

लखनऊ । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के बागपत में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। डाक कांवड़ में आगे निकलने की जिद्द में उत्तर प्रदेश के कांवडिय़ों ने हरियाणा के रहने वाले कांवडिय़ों पर ईंट- पत्थर और तेज धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में हरियाणा के एक कांवडिय़े की मौत हो गई। कई कांवडिय़े गंभीर रूप से घायल हो गए। मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस जांच कर रही है।

सोनीपत के गांव अटेरणा के रहने वाले युवक डाक कांवड़ लेने हरिद्वार गए थे, जब वह डाक कावड़ लेकर वापस आ रहे थे, तो बागपत के पास एक दूसरे से आगे निकलने की जिद में विवाद हो गया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के कांवडिय़ों ने हरियाणा के कांवडिय़ों पर ईंट- पत्थरों और लाठी -डंडों से हमला कर दिया और बाइक भी छीन ली। उत्तर प्रदेश के रहने वाले 50 से 60 कांवडिय़ों ने हमले को अंजाम दिया।

हमले में सोनीपत के अटेरना के रहने वाले वंश नाम के कांवडिय़े की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। वंश ने सोनीपत के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायल डाक कांवडिय़ों का इलाज चल रहा है। उत्तर प्रदेश बागपत पुलिस सोनीपत के सिविल अस्पताल पहुंचे कर मामले की जांच कर रही है।

हरियाणा पुलिस के एएसआई सुरेंद्र ने बताया कि डाक कांवडिय़ों का झगड़ा हुआ था। झगड़े के बारे में पूरी जानकारी हरियाणा पुलिस के पास नहीं है। उत्तर प्रदेश पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवकों ने ताजमहल में कब्रों पर चढ़ाया गंगाजल, अखिल भारत हिन्दू महासभा ने ली जिम्मेदारी

आगरा (आरएनएस)। शनिवार को दो युवकों ने ताजमहल में गंगाजल चढ़ाया। वह पानी की बोतल में गंगाजल लेकर पहुंचे थे। मुख्य मकबरे में स्थित तहखाने के दरवाजे पर युवक ने गंगाजल चढ़ाया। दरवाजे से तहखाने में स्थित कब्रों तक जाने को सीढिय़ां बनी हैं। हिंदूवादी संगठन ताजमहल को शिव मंदिर तेजोमहालय मानते हैं। इसे लेकर कई याचिकाएं अदालत में विचाराधीन हैं। सावन में ताजमहल को हिन्दू मंदिर बताते हुए उसकी आरती करने और जलाभिषेक करने की मांग समय-समय पर उठती रही है। सावन के सोमवार को कुछ वर्ष पूर्व तक शिवसैनिक यमुना किनारे से ताजमहल की आरती उतारा करते थे।शनिवार सुबह दो युवक ताजमहल पहुंचे। एक के हाथ मे पानी की बोतल थी और दूसरा वीडियो बना रहा था। मुख्य मकबरे में कब्रों वाले कक्ष में प्रवेश करने से पूर्व युवक तहखाना के दरवाजे पर रुक गया। यहां उसने बोतल में भरे गंगाजल से अभिषेक किया। युवक को ऐसा करते हुए और दूसरे को वीडियो बनाते हुए देखने पर सीआईएसएफ के जवानों ने पकड़ लिया। पूछताछ के बाद दोनों को पुलिस को सौंप दिया। अखिल भारत हिन्दू महासभा ने इसकी जिम्मेदारी ली है। महासभा के विनेश चौधरी और श्याम को ताजमहल में गंगाजल चढ़ाने पर पकड़ा गया है। दोनों कांवड़ लेकर शुक्रवार रात मथुरा पहुंचे थे। शनिवार सुवह ताजमहल पहुंचकर उन्होंने गंगाजल चढ़ाया। बता दें ताजमहल में खाने का सामान ले जाना प्रतिबंधित है, लेकिन पानी की बोतल ले जाने पर कोई रोक नहीं है। इसी का फायदा युवकों ने उठाया। वह पानी की बोतल में गंगाजल ले गए और किसी को इसकी जानकारी नहीं हो सकी।

अनुच्छेद 370 की बरसी को लेकर जम्मू बस अड्डे पर आतंकी हमले की आशंका, हाई अलर्ट जारी

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर बस अड्डे और कई अन्य स्थानों पर आतंकी हमले की आशंका जताई गई है। जिसको लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की पांचवीं बरसी के दौरान जम्मू स्टैंड को आतंकी निशाना बना सकते हैं। वर्ष 2019 में जम्मू बस स्टैंड पर हमले का आरोपी आतंकी यासिर अहमद भट्ट कुलगाम स्थित अपने घर से 27 जुलाई से लापता है। वह 2021 से जमानत पर था। पुलिस ने पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। यासिर के पोस्टर भी शहर के प्रमुख स्थानों पर चस्पा कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों के पास इस बात की सूचना है कि दहशतगर्द लक्षित हत्याओं, समुदाय विशेष पर हमला और सैन्य कर्मियों को निशाना बनाने की वारदातों को अंजाम दे सकते हैं। सुरक्षा बढ़ाए जाने के साथ ही नाके बढ़ा दिए गए हैं। आने-जाने वालों की तलाशी भी ली जा रही है। शुक्रवार को जम्मू में कई जगहों पर वाहनों की तलाशी ली गई। सूत्रों का कहना है कि यासिर को 5 अगस्त को अनुच्छेद 370 हटने की पूर्व संध्या पर हमला करने का टारगेट दिया गया है। हालांकि इसकी किसी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

लखनऊ : मरीज के अधूरे इलाज पर कार्यवाई, 6 डॉक्टरों समेत 13 स्वास्थ्य कर्मी निलंबित

लखनऊ । आरएनएस

डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान के इमरजेंसी में अधूरा इलाज कर मरीज को भगाने वाले प्रकरण में 6 चिकित्सकों समेत 13 स्वास्थ्य कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने घटना के सामने आने के बाद कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया था।उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर संस्थान के निदेशक सीएम सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो इमरजेंसी ऑफिसर, चार रेजिडेंट डॉक्टर, दो पीआरओ और पांच अन्य कर्मचारियों को निलंबित कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शुक्रवार को यह खबर वायरल हो रही थी कि लोहिया संस्थान की

इमरजेंसी में सीतापुर के एक मरीज का उचित इलाज नहीं किया गया और उसे आधे अधूरे इलाज के बाद बाहर कर दिया गया। इस घटना ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए थे। काफी हंगामा मचा तो उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने इस मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए कहा था कि किसी भी मरीज के इलाज में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों के हित में लगातार कदम उठा रही है और चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट निर्देश है कि गंभीर मरीजों को तत्काल और पूरा इलाज दिया जाए। इसके बावजूद सीतापुर के एक मरीज को अस्पताल में भर्ती करने से मना कर दिया गया था, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की लापरवाही सामने आई है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने हाल ही में विधान परिषद में बताया था कि पहले अस्पतालों के आंकड़े दर्ज नहीं होते थे, लेकिन अब हमारे पास प्रतिदिन के आंकड़े उपलब्ध हैं। उन्होंने जानकारी दी कि हर दिन प्रदेश के अस्पतालों में 1.75 लाख मरीज पहुंचते हैं, जिनमें से 12 हजार मरीज गंभीर हादसे के शिकार होते हैं और आठ हजार गंभीर रोगों से ग्रसित होते हैं।

सरकार ने जिला मुख्यालयों में डायलसिस की सुविधा उपलब्ध कराई है और अब वहां दस-दस बेड की सुविधा है। इसके साथ ही सीटी स्कैन की सुविधा भी मरीजों को दी जा रही है। अस्पतालों के कामकाज पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं, जिनकी मॉनिटरिंग लखनऊ के डीजी हेल्थ ऑफिस में स्थित कमांड सेंटर के माध्यम से की जाती है।

इस घटना के बाद उप मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित करने का वादा किया कि स्वास्थ्य सेवाएं सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप होगी और किसी भी मरीज के साथ लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पाकिस्तानी आतंकियों के लिए काम कर रहे थे पुलिसवाले, 6 बर्खास्त

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू कश्मीर में ड्रग्स बेचकर आतंकियों की मदद करने के मामले में 6 सरकारी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार उन्हें तत्काल बर्खास्त कर दिया गया है। इसमें पांच पुलिसकर्मी और एक शिक्षक शामिल है। ये सभी सरकारी कर्मचारी पाकिस्तान के आईएसआई के एक नार्को टेरर नेटवर्क का हिस्सा थे।

जानकारी के अनुसार ये लोग जम्मू-कश्मीर में ड्रग्स के अवैध कारोबार में मदद करते थे और इससे प्राप्त फंडिंगा का इस्तेमाल पाकिस्तान के आतंकी संगठन दहशत फैलाने के लिए करते हैं। पीटीआई के मुताबिक ड्रग्स की बिक्री के माध्यम से

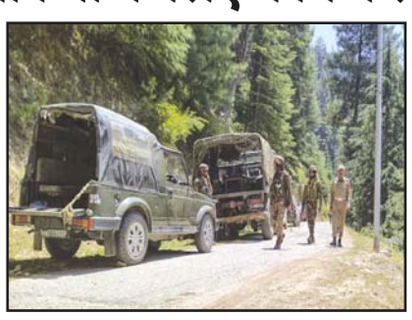

आतंकी फंडिंग से जुड़े छह सरकारी कर्मचारियों पर ऐक्शन लिया गया है। आरोपियों की पहचान कॉन्स्टेबल फारूक अहमद शेख, कॉन्स्टेबल खालिद हुसैन शाह कन्स्टेबल रहमत शाह, कन्स्टेबल इर्शाद अहमद चाकू, कॉन्स्टेबल सैफ दीन और सरकारी सिक्ष नजम दीन के तौर पर की गई है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संविधान के आर्टिकल 311 (2) का इस्तेमाल करते हुए इन सभी को तत्काल सेवा से हटा दिया है। बता दें कि संविधान में इस आर्टिकल के तहत प्रावधान है कि अगर कोई देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करता है तो राष्ट्रपति या फिर राज्यपाल उसे बिना किसी जांच के तत्काल सेवा से हटा सकते हैं।

2019 में आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद अब तक 70 सरकारी कर्मचारियों को इसी तरह के आरोपों के चलते बर्खास्त किया जा चुका है। बीते महीने भीचार सरकारी कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई थी इसमें दो पुलिसकर्मी शामिल थे। नार्को टेरर में शामिल होने के आरोप में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। इन चारों की पहचान कॉन्स्टेबल मुश्ताक अहमद पीर और इम्तियाज अहमद लोन के तौर पर की गई थी। वहीं शिक्षा विभाग में कार्यरत जूनियर असिस्टेंट अहमद मीर और ग्रामीण विकास विभाग के मोहम्मद जैद को बर्खास्त कर दिया गया था। मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने कहा कि ये सभी आतंकी संगठनों के लिए काम कर रहे थे। खुफिया एजेंसियों ने इनके बारे में जानकारी हासिल की थी। बता दें कि ब्राउन शुगर और हेरोइन की तस्करी पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर में होती है। आतंकी संगठनों के लिए फंडिंग जुटाने में इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर होता है।